programmes which provide supplementary employment in the rural areas are Integrated Rural Development Programme, Jawahar Rozgar Yojana. The Employment Assurance Scheme is also implemented in the Stae of Kerala. In the Urban development sector, two Urban poverty alleviation schemes are in operation, namely, Nehru Rozgar Yojana and Prime Minister's Integrated urban Poverty Eradication Programme which also seek to provde employment. Prime Minister's Rozgar Yojana is being implemented as Central Plan Scheme to provide employment opportunities to educated unemployed youths in both rural and urban areas.

The amount allocated/utilised under major schemes during 1995-96 and 1996-97 for Kerla are given below.

(Rs. Crore)

	NRY	PMIUPEP	IRDP	JRY	EAS*
1995-96	1.49	2.63	20.36	80.29	23.12
Allocated	—	—	22.69	88.88	22.42
utilised					
1996-97					
Allocated	1.80	2.38	20.36	42.44	22.25

*State wise allocations are not make for EAS as this is a demand driven scheme. The figures are of releases.

Utilisation for 1996-97 will be available after the end of the year.

उत्तर प्रदेश में रोजगार योजनाएं

2006. **श्रीमती मालती शर्मा:** क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में सभी के लिए रोजगार सृजित करने हेतु कौन-कौन सी योजनायें आरंभ की गई हैं;

(ख) इस अवधि के दौरान केन्द्रीय सरकार द्वारा कितनी धनराशि आबंटित की गई;

(ग) क्या नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान उपर्युक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए और अधिक धनराशि आबंटित किए जाने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र कुमार भगतराम अलघ): (क) से (घ) गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के लाभ उत्तर प्रदेश सहित सभी राज्यों में प्रवाहित होते हैं। प्रमुख गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम जो ग्रामीण क्षेत्रों में अनुपूरक रोजगार मुहैया कराते हैं वे हैं एकीकृत विकास कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना, राष्ट्रीय स्तर की रोजगार आश्वासन स्कीम भी राज्य में कार्यान्वित की गई है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकार भी राज्य क्षेत्रक में विशेष रोजगार रोजगार स्कीम कर्यान्वित कर रही है। शहरी विकास क्षेत्रक में दो शहरी गरीबी उन्मूलन स्कीमें प्रचालन में हैं, नामतः नेहरू रोजगार योजना और प्रधानमंत्री का एकीकृत गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम वे भी रोजगार मुहैया कराते हैं। प्रधान मंत्री की रोजगार योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में शिक्षित बेरोजगार युवकों के लिए रोजगार अवसर मुहैया कराते हैं।

उत्तर प्रदेश के संबंध में पिछले 3 वर्षों के दौरान प्रमुख स्कीमों के अंतर्गत आवंटित निधियां नीचे दी गई हैं।

(करोड़ रूपये)

	एनआरवाई	पीएमआईयू पीईपी	आई आरडीपी	जेआरवाई	ईएएस*
1994-95	15.50	—	203.35	743.77	137.38
1995-96	11.10	15.85	203.17	871.89	194.50
1996-97	12.28	14.45	203.17	423.35	141.50 (दिसम्बर, 96 तक)

*ई ए एस के संबंध में राज्यवार आवंटन नहीं किए जाते क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है। आंकड़े जारी धनराशि के हैं।

इन कार्यक्रमों हेतु नौवीं योजना परिव्यय उसके तैयार किए जाने पर उपलब्ध होंगे।

Priorities under the Ninth Five Year Plan

2007. SHRI TARA CHARAN MAJUMDAR: Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) whether some priorities have been fixed, for the Ninth Five Year Plan;

(b) if so, the details thereof, alongwith the outlays fixed in each case;

(c) whether the main thrust of the Ninth Five Year Plan is to provide welfare facilities to the people; and

(d) if so, the details thereof, alongwith the programmes to be undertaken in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMNTATION (SHRI YOGINDER K. ALAGH): (a) and (b) Yes, Sir. The Approach Paper to the NInth Plan (1997—2002) approved unanimously by the National Development Council in its meeting held on 16.01.1997 has laid down the priorities for the Ninth Plan. The Approach Paper has projected a GDP growth rate of 7 per cent per annum during the Ninth Plan period including a growth rate of 4.5 per cent per annum in the agricultural sector.

The objectives of the Ninth Plan are as follows:

(i) Priority to agriculture and rural development with a view to generating adequate productive employment and eradication of poverty;

(ii) Accelerating the growth rate of the economy with stable prices;

(iii) Ensuring food and nutritional security for all, particularly the vulnerable sections of society;

(iv) Providing the Basic Minimum Services of safe drinking water, primary health care facilities, universal primary education, shelter, and connectivity to all in a time bound manner;

(v) Containing the growth rate of population;

(vi) Ensuring environmental sustainability of the development process through social mobilisation and participation of people at all levels;

(vii) Empowerment of women and socially disadvantaged groups such as Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other